DESHBANDHU COLLEGE
30/5/24
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1431 **H**

Unique Paper Code : 12051201

Name of the Paper : Hindi Sahitya Ka Itihas (Aadikal Aur Madhyakal)

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi – CBCS**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. हिन्दी-साहित्येतिहास लेखन के नामकरण पर प्रकाश डालिए। (14)

अथवा

साहित्य के इतिहास लेखन में आने वाली समस्याओं पर विचार कीजिए।

2. रासो-काव्य के उद्भव एवं विकास का विवेचन कीजिए। (14)

P.T.O.

अथवा

सिद्ध-साहित्य और नाथ-साहित्य का तुलनात्मक विवेचन कीजिए।

3. प्रेममार्गी सूफी-शाखा की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। (14)

अथवा

ज्ञानमार्गी निर्गुण शाखा के वैशिष्ट्य का विश्लेषण कीजिए।

4. रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। (14)

अथवा

रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध काव्यधाराओं का तुलनात्मक विवेचन कीजिए।

5. (क) किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए। (6,6)

(i) जैन-साहित्य

(ii) राम काव्य

(iii) शुद्धाद्वैतवाद

(iv) रीतिकालीन वीर काव्य

(ख) किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए। (7)

(i) जायसी

(ii) कबीर

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Sr. No. of Question Paper : 1610 **H**

Unique Paper Code : 12051202

Name of the Paper : Hindi kavita (Reetikaleen Kavya)

Name of the Course : **B.A. (Hon.) Hindi**

Semester : II (CBCS)

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. केशव की काव्य-कला का विवेचन कीजिए।

अथवा

नीति काव्य परंपरा में रहीम का स्थान निर्धारित कीजिए। (12)

P.T.O.

2. "यदि प्रबंध एक विस्तृत वनस्थली है तो मुक्तक एक चुना हुआ गुलदस्ता" इस कथन के आलोक में बिहारी के दोहों का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

"बिहारी ने अपने दोहों में गागर में सागर भरा है" इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए। (12)

3. घनानंद की कविता के भाव पक्ष का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

घनानंद की प्रेम व्यंजना पर प्रकाश डालिए। (12)

4. भूषण की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

गिरधर कविराय के काव्य में व्यक्त आदर्शों की चर्चा कीजिए। (12)

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) रूपनिधान सुजान सखी जब तें इन नैननि नेकु निहारे।
दीठि थकी अनुराग-छकी मति लाज के साज-समाज बिसारे।
एक अचंभौ घनानंद हैं नित ही पल-पाट उघारे।
टारें टरैं नहीं तारे कहूँ सु लगे मनमोहन- मोह के तारे।।

अथवा

बेद राखे बिदित पुरान परसिद्ध राखे राम-नाम राख्यो अति रसना सुघर में।

हिंदुन की चोटी रोटी राखी है सिपाहिन की काँधे में जनेऊ राख्यो मात्रा राखी गर में।

मीड़ि राखे मुगल मरोड़ राखे पातसाह बैरी पीसि राखे बरदान राख्यो कर में।

राजन की हद्द राखी तेगबल सिवराज देव राखे देवल स्वधर्म राख्यो घर में।

(ख) साई बैर न कीजिए, गुरु, पंडित, कवि, यार
बेटा, बनिता, पँवरिया, यज्ञ करावन हार
यज्ञ करावन हार, राजमंत्री हो होई
विप्र, परोसी, वैद, आपको तपै रसोई
कह गिरिधर कविराय, युगन ते यह चलि आई
इन तेरह सों तरह दिए, बनि आवै साईं

अथवा

रहिमन अँसुआ नैन ढरि जिय दुःख प्रकट करेइ।
जाहि निकारो गेह ते कस न भेद कहि देइ ।।
रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो छिटकाय ।
टूटे से फिर ना मिले, मिले गाँठ परि जाय ।। (8+7=15)

P.T.O.

6. दिए गए निर्देशों के आधार पर किन्हीं **दो** का रचना कौशल उद्घाटित कीजिए :

(क) चरण धरत चिंता करत, नींद न भावत शोर।
सुबरण को सोधत फिरत, कबि व्यभिचारी चोर।। (काव्य कौशल)

(ख) जटिल नीलमनि जगमगति सींक सुहाई नाँक ।
मनो अली चंपक-कली बसि रसु लेतु निसाँक ।।
मिली चंदन-बैंदी रही गोरै मुँह, न लखाइ ।
ज्यौं-ज्यों मद-लाली चढ़े, त्यौं-त्यौं उघरति जाइ।

(रूप वर्णन)

(ग) काज परै कछु और है काज सरै कछु और ।
रहिमन भँवरी के भए नदी सिरावत मौर ।।

(सामाजिक परंपरा का वर्णन)

(घ) रावरे रूप की रीति अनूप नयो नयो लागत ज्यौ ज्यौं निहारियै ।
त्यौं इन आँखिन बानि अनोखी अघानि कहूँ नहिं आन तिहारियै ।।
एक ही जीवन हुतौ सु तौ बार्यो सुजान सकोच और सोच सहारियै ।
रोकी रहै न दुई घनआनँद बावरी रीझ के हाथनि हारियै ।।

(प्रेम के स्वरूप का वर्णन)

(6 + 6 = 12)

DESHBANDHU COLLEGE
27/5/19
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No......

Sr. No. of Question Paper : 5142 **H**

Unique Paper Code : 2052101201

Name of the Paper : हिंदी कविता : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य

Name of the Course : **बी.ए. (विशेष) हिंदी : DSC**

Semester : II

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक** : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्न पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : (3×9=27)

(क) लछिमन बान सरासन आनू। सोषौं बारिधि बिसिख कृसानू।।
सठ सन बिनय कुटिल सन प्रीती। सहज कृपन सन सुंदर नीती।।
ममता रत सन ग्यान कहानी। अति लोभी सन बिरति बखानी।।
क्रोधिहिं सम कामिहि हरिकथा। ऊसर बीज बएँ फल जथा।।

P.T.O.

अस कहि रघुपति चाप चढ़ावा। यह मत लछिमन के मन भावा।।
सन्धानेउ प्रभु बिसिख कराला। उठी उदधि उर अंतर ज्वाला।।

अथवा

कौन हौ कित तें चले कित जात हौ केही काम जू।
कौन की दुहिता बहू कहि कौन की यह बाम जू।
एक गाँउ रहौकि साजन मित्र बन्धु बखानियै।
देस के परदेस के किधौं पंथ की पहिचानियै।

(ख) आए जोग सिखावन पाडे
परमारथी पुराननि लादे ज्यौं बनजारे तां ठाँड़े।।
हमरी गति पति कमलनयन की जोग सिखें तै राँड़े।
कहौ मधुप, कैसे समायेंगे एक म्यान दो खाड़े।
कहु षटपद, कैसे खैयतु है हाथिन के संग गाँड़े।
काकी भूख गयी बयारि भखि बिना दूध घृत माँड़े।
काहे जो झाला लै मिलवत, कौन चोर तुम डाड़े।

अथवा

धाम धरीक निवारिये, कलित ललित अलि-पुंज।
जमुना तीन तमाल-तरु-मिलित मालती-कुञ्ज।।
मिली चन्दन-बेंदी रही गौरें मुंह, न लखाई।
ज्यौं ज्यौं मद-लाली चढ़ै, त्यौं त्यौं उधरति जाइ।।

(ग) मीत सुजान अनीति करौ जिन, हा हा न हूजिये मोहि अमोही।
दीठि कौं और कहूं नहिं ठौर, फिरी दृग रावरे रूप की दोही।
एक बिसास की टेक गहे लगि आस रहे बसि प्रान - बटोही।
हौं घनानंद जीवन मूल दई ! कित प्यासनि मारत मोही।

अथवा

राजत अखंड तेज छाजत सुजस बड़ो गाजत गयंद दिग्गजन हिय साल को।

जाहि के प्रताप सों मलीन आफताब होत ताप तजि दुजन करत बहु ख्याल को।

साज सजि गज तुरी पैदर कतार दीन्हें भूषण भनत ऐसो दीन प्रतिपाल को।

आन रावराजा एक मन में न लाऊँ अब साहू को सराहौं कै सराहौं छत्रसाल को।

2. 'रामचरित मानस' के सुन्दरकाण्ड की उपादेयता पर विचार कीजिए। (15)

अथवा

केशव दास की 'रामचंद्रिका' में चित्रित वन गमन प्रसंग का सौन्दर्य वर्णन कीजिए।

3. सूरदास के पदों के आधार पर गोपियों की विरह भावना का मूल्यांकन कीजिये। (15)

अथवा

बिहारी के काव्य में चित्रित श्रृंगार चेतना को अपने शब्दों में लिखिए।

4. "भूषण रीतिकाल के वीर रस के कवि हैं" इस कथन की तर्क-संगत समीक्षा कीजिए। (15)

अथवा

'घनानंद प्रेम की पीर के सच्चे साधक हैं' - इस कथन की पुष्टि कीजिए।

5. संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए **(कोई दो)** (2×9=18)

(क) सुन्दरकाण्ड का काव्यत्व

(ख) सूरदास के पदों का काव्य-सौन्दर्य

(ग) बिहारी के काव्य में सूक्ष्मता

(घ) केशवदास की 'रामचंद्रिका' में राम कथा वर्णन

(ङ) भूषण के नायक

(च) घनानंद की काव्य-भाषा

[This question paper contains 2 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE
31/5/24
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No.....

H

Sr. No. of Question Paper : 5193

Unique Paper Code : 2052101202

Name of the Paper : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi (DSC)**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. मध्यकालीन बोध और आधुनिक बोध पर तर्कपूर्ण विचार कीजिए। (18)

अथवा

स्वाधीनता आंदोलन के परिप्रेक्ष्य में द्विवेदी युगीन साहित्य का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

2. हिंदी कहानी के विकास को रेखांकित कीजिए। (18)

अथवा

हिंदी आलोचना के विकास में आचार्य रामचंद्र शुक्ल की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

3. प्रगतिवाद की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। (18)

अथवा

'नयी कविता नयी मनःस्थितियों की कविता है' इस कथन के परिप्रेक्ष्य में विचार कीजिए।

4. हिंदी की स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता की वस्तुस्थिति का मूल्यांकन कीजिए। (18)

अथवा

हिंदी के अस्मितामूलक विमर्श के महत्व का निरूपण कीजिए।

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए – (9+9)

(क) हिंदी खड़ी बोली का विकास

(ख) भारतेन्दु युगीन हिंदी नाटक

(ग) उत्तर छायावाद

(घ) नवगीत

(ङ) दलित विमर्श

06 June 2024

[This question paper contains 4 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5243 **H**

Unique Paper Code : 2052101203

Name of the Paper : Hindi Nibandh Evam Anya Gadya Vidhaein

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – DSC**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्हीं **दो** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10+10=20)

(क) जब हम किसी एक जाति पर ध्यान देते हैं तो निश्चय उस जाति के आचरणों से कुछ ऐसी बातें लक्षित होती है जो खास उसी जाति में पाई जाएगी और वे बातें ऐसी न होंगी जो मनुष्य मात्र

में साधारण रीति पर पाई जायें क्योंकि न कोई जाति इतनी भली है कि उसमें कोई बुरे होंगे ही नहीं। न देश का देश इतना बुरा हो सकता है कि उस जाति में एक भी भला ना हों।

अथवा

मुसलमानों के आने के पहले इस देश में नाना विश्वासों और आचार-विचारों के भेद से नाना प्रकार के धर्म-मत प्रचलित थे। परन्तु जीवन के प्रति उनकी दृष्टि में एक विशेष प्रकार की एकरूपता थी। इस एकरूपता के कारण ही नाना मतों के मानने वाले, नाना स्तरों पर खड़े हुए, नाना मार्यादाओं में बँधे हुए अनेक जनवर्ग एक सामान्य नाम से पुकारे जाने लगे। यह नाम था 'हिन्दू'।

(ख) एक दरबारी ने कहा, 'हुजूर वह हमें नहीं दिखेगा। सुना है, वह बहुत बारीक होता है। हमारी आँखें आपकी विराटता देखने की इतनी आदि हो गई हैं कि बारीक चीज नहीं दिखती। हमें भ्रष्टाचार दिखा भी तो उसमें हमें आपकी ही छवि दिखेगी, क्योंकि हमारी आँखों में तो आपकी ही सूरत बसी है। पर अपने राज्य में एक जाति रहती है जिसे 'विशेषज्ञ' कहते है। इस जाति के पास कुछ ऐसा अंजन होता है कि उसे आँखों में झाँककर वे बारीक चीज भी देख लेते हैं।

अथवा

अपनी जिन्दगी को धोती-कुर्ते-चप्पल में घुट गई। किसी हिंदी के कवि की यह विदेशियों-सी चुस्ती और फुर्ती पलकों में अँट नहीं रही थी। तैराकी का शौक मुझे भी है, एक बार इसी नर्मदा के धुआँधार जलप्रपात में शहीद होते-होते रह गया था। तैर तैर का देर तक की लाल-लीला का स्फार संभार चला। पहाड़ और नदी दोनों ने दो ही दिनों में अज्ञेय की ऊँचाई और गहराई दिखा दी थी।

2. 'आचरण की सभ्यता' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए। (15)

अथवा

'जातियों का अनूठापन' निबंध की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

3. 'भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या' का सार लिखिए। (15)

अथवा

'करुणा' निबंध का सार लिखिए।

4. 'नए संघर्ष' के आधार पर निराला के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

'सदाचार का ताबीज' में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

5. अज्ञेय के साथ का प्रतिपाद्य लिखिए। (15)

अथवा

'अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा' का मूल्यांकन कीजिए।

6. किसी **एक** पर टिपपणी लिखिए : (10)

(क) रामचन्द्र शुक्ल का साहित्यिक परिचय

(ख) जातियों का अनूठापन का सार